1992–93 तथा 1993–94 दौरान उत्पादित कच्चे तेल की मात्रा नीचे दर्शाई गई है :—

	1992–93	1993–94
	(मि० मि० टन में)	
ओ० एन० जी० सी० लि०	24.427	24.215
आयल इण्डिया लि०	2.523	2.811

(च) और (छ) अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से ओ० एन० जी० सी० लि० तथा ओ० आई० एल० की लाभप्रदत्ता पर प्रभाव नहीं पड़ता है क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें सरकार द्वारा शासित होती है।

लाभ में वृद्धि का मुख्य कारण, देशी कच्चे तेल के लिये भुगताई जाने वाली वर्द्धित कीमत है।

Report of CAG on Petroleum Ministry

4748. DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR : Will the Minister of PETROLEUM and NATURAL GAS be pleased to state :

(a) whether Government are aware of the remarks in para 7.3 of the Report of the Comptroller and Auditor General of India (Union Government No. 7—Commercial) Commercial of 1989, with respect of his Ministry ; and

(b) if so, what is the balance of Pool Account as on March, 1994 ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA) : (a) Yes, Sir.

(b) Balance due to OCC in Public Account as on 31st March, 1994 is Rs 4429.03 crores.

आठवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि के दौरान कच्चे तेल के उत्पादन का लक्ष्य

4749. श्री राम जेठमलानी :

श्रीमती सुषमा स्वराज : **क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने आठवीं पचवर्षीय योजना के अन्त तक कच्चे तेल के लिये 47.08 मिलियन मीटरी टन के वार्षिक उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि कच्चे तेल के उत्पादन के लिये उक्त योजनावधि के अन्तर्गत वर्ष 1993–94 में निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सका है;

(ग) यदि हां, तो शेष वर्षों के दौरान लक्ष्य प्राप्ति के सम्बन्ध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ;

(घ) क्या यह भी सच नहीं है कि कच्चे तेल के उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये आगामी शेष वर्षों में तेल उत्पादन में 15 प्रतिशत की और वृद्धि करनी होगी; और

(ङ) यदि हा, तो वार्षिक उत्पादन में वृद्धि करने के लिये कौन-कौन से नये क्षेत्रों की खोज की गई है, उनकी वार्षिक उत्पादन क्षमता कितनी है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) 8वीं योजना के निर्माण के समय, योजना के अन्तिम वर्ष अर्थात् 1996-97 में कच्चे तेल का स्वदेशी उत्पादन 47.08 मिलियन टन परिकल्पित किया गया था।

(ख) जी, हां।

(ग) स (ङ) हालांकि यह सच है कि तेल के उत्पादन मे कमी हुई लेकिन अब इस स्थिति को पलट दिया गया है। कच्चे तेल का उत्पादन 8वीं पचवर्षीय योजना के बाकी हिस्से के दौरान निरन्तर बढ़ने की संभावना है। कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाने के लिये किये गये उपायो मे वर्तमान क्षेत्रों का अतिरिक्त विकास, नये क्षेत्रों का विकास और निजी क्षेत्र की प्रतिभागिता के साथ मध्यम और लघु आकार के क्षेत्रों का विकास शामिल है।

तेल और प्राकृतिक गैस आयोग की कुछ परियोजनाओं की लागत में वृद्धि

4750. **श्री राम जेठमलानी:** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 6 अप्रैल, 1994 के "फाइनेन्शियल एक्सप्रैस" मे "6 ओ० एन० जी० सी० प्रोजेक्टस ओवर शूटकास्ट" शीर्षक मे प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के निर्माणाधीन कुछ परियोजनाओं की निर्माण लागत में वृद्धि हो गई है ;

(ग) यदि हां, तो ऐसी परियोजनाओं के नाम क्या है। तथा उन परियोजनाओ का ब्यौरा क्या है जिनकी निर्माण लागत में वृद्धि हुई है ,

(घ) क्या यह भी सच है कि इन परियोजनाओं की निर्माण लागत में वृद्धि, इनके पूरा होने में विलम्ब के कारण ही हुई है ; और

(ङ) यदि हां, तो प्रत्येक परियोजना मे कितना विलम्ब हुआ है और उसके क्या कारण है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) जी, हां,

(ख) जी, हां,

(ग) नीलम विकास, बी० एच० नार्थ मे एल-2 विकास और बी एच साउथ (एल-3 इनाफिल) में ई० ओ०आर०पी० नामक तीन परियोजनाओं में लागत वृद्धि नजर आई है। एल-2 और एल-3 परियोजनाओं के सम्बन्ध में संशोधित लागत अनुमान ओ० एन० जी० सी० से प्राप्त हो गये है। नीलम विकास परियोजना के संशोधित लागत अनुमान अब अनुमोदित किये जा चुके हैं,

(घ) लागत में वृद्धि अशत: मात्र परियोजना के पूरा होने में हुए विलम्ब के कारण ही है, अन्य तत्संगत कारण मुद्रा विनियम दर में परिवर्तन, सांविधिक शुल्कों/करो मे परिवर्तन, कार्य क्षेत्र में परिवर्तन इत्यादि है।